चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8.02.23	3	4-5

पराली के धुंए से निपटने को कम लागत वाली बायोमास रूपांतरण प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण: वीसी

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में फसलीय अवशेष प्रबंधन विषय पर प्रयोजना का समापन

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा विभाग ने स्पार्क-एमएचआरडी द्वारा प्रायोजित परियोजना बायोमास रूपांतरण तकनीक द्वारा फसलीय अवशेष प्रबंधन विषय पर प्रयोजना का समापन हुआ। इस अवसर पर वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि भारत में फसल अवशेष प्रबंधन के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साथ आगे बढ़ रहे हैं। पराली प्रबंधन के लिए संपीडित बायोगैस उत्पादन और जैव ईंधन पर अनुसंधान व नए विचारों का आदान-प्रदान हो सकता है। उन्होंने हरियाणा व पंजाब में पराली जलाने व उससे निकलने वाले धुंए से पैदा होने वाले खतरे से निपटने के लिए कम लागत वाली बायोमास रूपांतरण प्रौद्योगिकियों के महत्व को बताया। उन्होंने नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा विभाग को इस दिशा में आगे बढ़ने और उसके लिए रोडमैप तैयार करने को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज अधिकारियों को संबोधित करते हुए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि किसान की आय बढ़ाने के लिए फसल अवशेषों को बायोमास रूपांतरण प्रौद्योगिकियों के द्वारा मूल्यवान उत्पाद में परिवर्तित किया जा सकता है। कार्यक्रम में इंटरनेशनल पीआई डॉ. एंथोनी लाठ व कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय एवं स्पार्क परियोजना के अंतरराष्ट्रीय सह-पीआई प्रो. शहाबद्धीन सोखन्सज ने प्रोजेक्ट की रिपोर्ट दी और मोनोग्राम का लोकार्पण किया। मौजूदा बायोमास रूपांतरण तकनीकों का व्यवसायीकरण, विशेष रूप से बायोमास की ब्रिकेटिंग और पेलेटिंग, वर्तमान समय में बहुत महत्वपूर्ण है। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा ने सभी का स्वागत किया। नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वाई.के यादव ने धन्यवाद पारित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	8.07.22	4	3-6

बायोमास रूपांतरण प्रौद्योगिकी हो विकसित

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा विभाग द्वारा स्पार्क-एमएचआरडी द्वारा प्रायोजित परियोजना बायोमास रूपातंरण तकनीक द्वारा फसलीय अवशेष प्रबंधन विषय पर परियोजना का समापन हुआ। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि भारत में फसल अवशेष प्रबंधन के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

पराली प्रबंधन के लिए संपीडित बायोगैस उत्पादन और जैव ईंधन पर अनुसंधान व नए विचारों का आदान-प्रदान हो सकता है। उन्होंने हरियाणा व पंजाब में पराली जलाने व उससे निकलने वाले धुएं से

मोनोग्राम का लोकार्पण करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य। • पीआरओ

पैदा होने वाले खतरे से निपटने के लिए कम लागत वाली बायोमास रूपांतरण प्रौद्योगिकियों के महत्व को बताया। उन्होंने नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा विभाग को इस दिशा में आगे बढ़ने और उसके लिए रोडमैप तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सलाह दी कि किसानों के लिए कुशल, पर्यावरण के अनुकूल और साथ ही लागत प्रभावी बायोमास ऊर्जा उत्पादन तकनीकों को समयबद्ध तरीके से विकसित किया जाना चाहिए। अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा ने कहा कि किसान की आय बढ़ाने के लिए फसल अवशेषों को बायोमास रूपांतरण प्रौद्योगिकियों के द्वारा मूल्यवान उत्पाद में परिवर्तित किया जा सकता है। कार्यक्रम में इंटरनेशनल पीआइ डा. एंथोनी लाठ व कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय एवं स्पार्क परियोजना के अंतरराष्ट्रीय सह-पीआई प्रो. शहाबद्दीन सोखन्सज ने प्रोजेक्ट की विस्तृत रिपोर्ट दी और मोनोग्राम का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा बायोमास रूपांतरण तकनीकों का व्यवसायिकरण, विशेष रूप से बायोमास की ब्रिकेटिंग और पेलेटिंग, वर्तमान समय में बहुत महत्वपूर्ण है। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. बलदेव डोगरा ने सभी का स्वागत किया, जबकि नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वाईके यादव ने धन्यवाद पारित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दै. तो हिसार	08.03.2023	--------	--------

कम लागत वाली बायोमास रूपांतरण प्रौद्योगिकी को विकसित करना जरूरी : प्रो. बी.आर काम्बोज

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा विभाग द्वारा स्पार्क-एमएचआरडी द्वारा प्रायोजित परियोजना बायोमास रूपांतरण तकनीक द्वारा फसलीय अवशेष प्रबंधन विषय पर प्रयोजना का समापन हुआ।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने

कहा कि भारत में फसल अवशेष प्रबंधन के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साथ आगे बढ़ रहे हैं। पराली प्रबंधन के लिए संपीड़ित बायोगैस उत्पादन और जैव ईंधन पर अनुसंधान व नए विचारों का आदान-प्रदान हो सकता है। उन्होंने हरियाणा व पंजाब में पराली जलाने व उससे निकलने वाले धुंए से पैदा होने वाले खतरे से निपटने के लिए कम लागत वाली बायोमास

ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय एवं स्पार्क परियोजना के अंतराष्ट्रीय सह-पीआई प्रो. शाहाबद्दीन सोखन्सज ने प्रोजेक्ट की विस्तृत रिपोर्ट दी

रूपांतरण प्रौद्योगिकियों के महत्व को बताया। उन्होंने नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा विभाग को इस दिशा में आगे बढ़ने और उसके लिए रोडमैप तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सलाह दी कि किसानों के लिए कुशल, पर्यावरण के अनुकूल और साथ ही लागत प्रभावी बायोमास ऊर्जा उत्पादन तकनीकों को समयबद्ध तरीके से विकसित किया जाना चाहिए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि किसान की आय बढ़ाने के लिए फसल अवशेषों को बायोमास रूपांतरण प्रौद्योगिकियों के द्वारा मूल्यवान उत्पाद में परिवर्तित किया जा सकता है। कार्यक्रम में इंटरनेशनल पीआई डॉ. एंथोनी लाउ व कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय एवं स्पार्क परियोजना के अंतराष्ट्रीय सह-पीआई प्रो. शाहाबद्दीन सोखन्सज ने प्रोजेक्ट की विस्तृत रिपोर्ट दी ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	8.03.23	8	1-4

हकृवि में औषधीय, सुगंध व क्षमतावान फसलों पर कार्यशाला आयोजित

किसानों को औषधीय, सुंगधित व क्षमतावान श्रेणी के पौधों की उपयोगिता व विशेषताओं से अवगत करवाया

हिसार, 7 मार्च (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के औषधीय वाटिका में औषधीय, संगुध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग द्वारा सुंगधित, औषधीय एवं क्षमतावान श्रेणी के फसलों का संरक्षण, खेती और उपयोग के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें हिसार, भिवानी, सिरसा और महेंद्रगढ़ के किसानों ने भाग लिया। कार्यशाला में मुख्यातिथि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा रहे। डॉ. पाहुजा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय, सुंगधित और क्षमतावान श्रेणी के पौधों की महत्वत्ता से अवगत कराना है। ताकि वे अलग-अलग श्रेणी के पौधों की उपयोगिता, विशेषताएं और खासियतों के बारे में जान सकें। साथ ही किसानों को औषधीय, सुंगधित व क्षमतावान पौधों की खेती के तौर-तरीकों के बारे में कई अहम जानकारियां भी दे सकें। औषधीय, संगुध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कहा कि किसानों को 125 अलग-अलग किस्म के औषधीय, सुंगधित और क्षमतावान पौधों के बारे में जानकारियां दी गई। इसके अलावा औषधीय पौधों की हर्बल वाटिका बनाकर उनके संरक्षण और सदुपयोग पर बल दिया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. राजेश आर्य ने किसानों को औषधीय पौधों से मानवीय बीमारियों को ठीक करने और इनकी खेती कर आमदनी बढ़ाने से संबंधित कई अहम जानकारियां दी। सहायक वैज्ञानिक डॉ. जेएम सुतलिया ने किसानों को औषधीय श्रेणी के पौधों में अश्वगंधा, ब्रह्मी, मधुनाशनी, एलोविरा सहित अनेक किस्मों के बारे में बताया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. रवि बैनीवाल ने सुंगधित किस्म के लैमनग्रास, तुलसी, मोरंगी या सेजन नामक पौधों की खासियतें से लेकर नवीनतम तरीकों से अवगत कराया।

कार्यशाला में किसानों को पौधों के बारे में जानकारी देते मुख्यातिथि डॉ. एस.के. पाहुजा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	8.03.23	5	5-5

कार्यशाला में मौजूद अधिकारी व किसान।

हकृवि में औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसलों पर कार्यशाला आयोजित

हिसार, 7 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के औषधीय वाटिका में औषधीय, सुंगध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग द्वारा सुंगधित, औषधीय एवं क्षमतावान श्रेणी के फसलों का संरक्षण, खेती और उपयोग के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इसमें हिसार, भिवानी, सिरसा और महेंद्रगढ़ के किसानों ने भाग लिया। कार्यशाला में मुख्यातिथि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा रहे।

डॉ. पाहुजा ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय, सुंगधित और क्षमतावान श्रेणी के पौधों की महत्ता से अवगत कराना है, ताकि वे अलग-अलग श्रेणी के पौधों की उपयोगिता, विशेषताएं और खासियतों के बारे में जान सकें।

साथ ही किसानों को औषधीय, सुंगधित व क्षमतावान पौधों की खेती के तौर-तरीकों के बारे में कई अहम जानकारियां भी दे सकें।

सहायक वैज्ञानिक डॉ. जे.एम. सुतलिया ने किसानों को औषधीय श्रेणी के पौधों में अश्वगंधा, ब्रहमी, मधुनाशिनी, एलोविरा सहित अनेक किस्मों के बारे में बताया।

सहायक वैज्ञानिक डॉ. रवि बैनीवाल ने सुंगधित किस्म के लैमनग्रास, तुलसी, भोरंगी या सेजन नामक पौधों की खासियतों से लेकर नवीनतम तरीकों से अवगत करवाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	07.03.2023	-------	--------

हकृवि में औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसलों पर कार्यशाला आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के औषधीय वाटिका में औषधीय, संगुध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग द्वारा सुंगधित, औषधीय एवं क्षमतावान श्रेणी के फसलों का संरक्षण, खेती और उपयोग के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें हिसार, भिवानी, सिरसा और महेंद्रगढ़ के किसानों ने भाग लिया। मुख्यातिथि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने किसानों को कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय, सुंगधित और क्षमतावान श्रेणी के पौधों की महत्वत्ता से अवगत कराना है। ताकि वे अलग-अलग श्रेणी के पौधों की उपयोगिता, विशेषताएं और खासियतों के बारे में जान सकें। साथ ही किसानों को औषधीय, सुंगधीत व क्षमतावान पौधों की खेती के तौर-तरीकों के बारे में कई अहम जानकारियां भी दे सकें। औषधीय, संगुध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कहा कि किसानों को 125 अलग-अलग किस्म के औषधीय, सुंगधित और क्षमतावान पौधों के बारे में जानकारियां दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	07.03.2023	-------	--------

किसानों को दी औषधीय, सुंगधित पौधों की जानकारी

नभ-छोर न्यूज ▸▸ 07 मार्च

हिसार। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के औषधीय वाटिका में औषधीय एवं क्षमतावान फसल अनुभाग द्वारा सुंगधित, औषधीय एवं क्षमतावान श्रेणी के फसलों का संरक्षण, खेती और उपयोग के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें हिसार, भिवानी, सिरसा और महेंद्रगढ़ के किसानों ने भाग लिया। कार्यशाला में मुख्यातिथि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा रहे। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय, सुंगधित और क्षमतावान श्रेणी के पौधों की महत्वत्ता से अवगत कराना है। ताकि वे अलग-अलग श्रेणी के पौधों की उपयोगिता, विशेषताएं और खासियतों के बारे में जान सकें। साथ ही किसानों को औषधीय, सुंगधीत व क्षमतावान पौधों की खेती के तौर-तरीकों के बारे में कई अहम जानकारियां भी दे सकें। औषधीय, संगुध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कहा कि किसानों को 125 अलग-अलग किस्म के औषधीय, सुंगधित और क्षमतावान पौधों के बारे में जानकारियां दी गई। इसके अलावा औषधीय पौधों की हर्बल वाटिका बनाकर उनके संरक्षण और सदुपयोग पर बल दिया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. राजेश आर्य ने किसानों को औषधीय पौधों से मानवीय बीमारियों को ठीक करने और इनकी खेती कर आमदनी बढ़ाने से संबंधित कई अहम जानकारियां दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	8.02.23	2	3-5

हिसार में दो दिवसीय किसान मेला 10 से

- मोटा अनाज पर होगी चर्चा, नई तकनीकों से रूबरू होंगे किसान

सरसा (सच कहूँ न्यूज)।

हरियाणा सरकार के तत्वावधान में कृषि एंव किसान कल्याण विभाग पंचकूला द्वारा चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आगामी 10 से 12 मार्च 2023 तक किसान मेला का आयोजन किया जा रहा है। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि कृषि के क्षेत्र में अनुसंधान तथा किसानों के उत्थान के लिए विश्वविद्यालय सदैव तत्पर रहता है। इसी कड़ी में 10 मार्च से शुरू होने वाले हरियाणा कृषि विकास मेले में किसानों को ज्ञान के साथ-साथ नवीनतम प्रौद्योगिकी, वनतक संसोधित बीज के साथ-साथ हरियाणवी संस्कृति का भी समायोजन किया गया है। उप निदेशक कृषि डा. बाबुलाल ने बताया कि कृषि मेला में कृषि में उपयोगी व्यवस्थाओं और फसलों के विविधीकरण द्वारा किसानों को होने वाले लाभ के बारे में विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारी प्रदान की जाएगी।

किसान मेला का दूसरे दिन भारत सरकार द्वारा मनाए जा रहे अंतरराष्ट्रीय मोट्टा अनाज वर्ष-2023 को समर्पित रहेगा, जिसमें बीमारियों के निदान और भूमि व जल पर बढ़ रहे अनावश्यक दबाव को कम करने के उपायों पर चर्चा होगी। इस दिन विषय विशेषज्ञ कृषि से संबंधी नए अनुसंधान से लेकर फसल के उत्पादन में आने वाली बाधाओं और उसके निराकरण पर विस्तृत चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि मेले में प्रगतिशील किसानों से लेकर औद्योगिक क्षेत्र के कृषि उत्थान में उपयोगी उत्पादों की स्टॉलों की भी व्यवस्था की गई है, जहां से प्रगतिशील किसानों के अनुभवों से उनके द्वारा कृषि में किए गए बदलावों से उन्हें प्राप्त हुए लाभ की जानकारी प्राप्त होगी।

उन्होंने जिला के सभी किसानों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में हिसार में आयोजित किए जा रहे इस कृषि विकास मेले में पहुंचकर कृषि के नवीनतम विचार, ज्ञान और तकनीक का अवलोकन कर अपनी फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा टुडे	07.03.2023	-------	--------

एचएयू में हरियाणा कृषि विकास मेला 10 से 12 मार्च तक

हरियाणा टुडे न्यूज, हिसार। आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला में कृषि तथा किसान कल्याण विभाग द्वारा 10 से 12 मार्च तक मेला ग्राउंड नजदीक गेट नंबर-3, बालसमंद रोड चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के परिसर में हरियाणा कृषि विकास मेला का आयोजन किया जाएगा। विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि कृषि विकास मेले में किसानों को कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारी दी जाएगी। मेले में कृषि एवं औद्योगिक प्रदर्शनी, फसल प्रतियोगिता, रबी फसलों की नई किस्मों का प्रदर्शन, मिट्टी व पानी के नमूनों की सामान्य शुल्क पर जांच, प्रश्नोत्तरी सभा (कृषि संबंधित समस्याएं एवं समाधान), खरीफ फसलों व सब्जियों के प्रमाणित बीजों की जानकारी एवं बिक्री तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लकी ड्रॉ के माध्यम से प्रति दिन एक छोटा ट्रैक्टर, सुपर सीडर व पावर विडर मशीन तथा 12 मार्च को बड़ा ट्रैक्टर जीतने का किसानों को मौका मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	7.03.23	5	1-2

HAU Kisan Mela from March 10

Kumar Mukesh | TNN

Hisar: The agriculture and farmers welfare department will organise the annual 'Kisan Mela' at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University from March 10-12.

An official spokesperson said various types of information related to the agriculture sector would be provided to the farmers during the 'Krishi Vikas Mela'. Farmers will also get a chance to win a small tractor, super seeder and power weeder machine every day and a big tractor on March 12, through lucky draw, said the spokesperson.

Agricultural and industrial exhibition, crop competition, demonstration of new varieties of rabi crops, testing of soil and water samples on normal charges, quiz session (agriculture related problems and solutions), information and sale of certified seeds of kharif crops and vegetables and cultural programs will also be organised during the fair, the spokesperson added.

Virendra Singh Lathar, retired principal scientist, HAU, however, has accused the university administration of misusing the trust earned by the HAU for political propaganda.

Lathar said HAU was constituted as an autonomous institution by passing the constitutional bill in the Parliament, so it was not constitutionally a department of the Haryana government.

He expressed apprehension that the trust of farmers, earned over five decades by the HAU, would be misused for political propaganda.

He said cattle fair was also being organised in Charkhi Dadri district from March 11-13, which was not only impractical, but also tantamount to dividing the farmers of the state.

Sandeep Arya, media advisor to the HAU vice-chancellor, said this was the "Kharif Mela" of the university. This time the fair has been given a grand look and instead of two days it has been made a three-day event. For this, the agriculture welfare department of the state government has also been included in the event and the name of the fair has been changed, he said.